to the Court, Mr. Yadav had alleged that the the five accused had, in relation to the relief material, committed offences of criminal breach of trust and defalcation of accounts in furtherance of a criminal conspiracy. The relief material had been donated by various humanitarian international organizations for the Bangladesh refugees.

In the circumstances, the concerned officials must be suspended from posts forthwith and prevented from causing further damage to the to the interests of the Red Cross Society and to its activities.

(viii) REMUNERATIVE PRICE FOR BIDI-TOBACCO GROWERS IN GUJARAT

श्री मोती भाई आर० चौधरी (मेहसाना): अध्यक्ष महोदय, गुजरात में जो ज्यादातर पैमाने में देशी तम्बाकू-बीड़ी तम्बाकू पैदा होती है, उसके मूल्य में भारी गिरावट आई है, जिससे वहां के तम्बाकू किसान बहुत कठिनाई में हैं। जिसका दाम 80 से 200 रुपये प्रति मन होना चाहिए, वह अभी 20 से 40 रुपये प्रति मन से अधिक दाम नहीं मिल रहा है। इससे किसानों में बहुत असंतोष है। सन् 1978 में ऐसे ही तम्बाकू के दाम गिर गये थे, तभी उस समय की जनता सरकार ने नाफ़ेड द्वारा उचित दाम पर तम्बाकू खरीदने का इन्तजाम करके किसानों को बचाया था। उसी तरह एस० टी० सी० या नाफ़ेड द्वारा उचित दाम पर तम्बाकू खरीदने का गुजरात में इन्तजाम किया जाये जिससे कि किसानों को सरकारी क्रय-व्यवस्था के माध्यम से लाभप्रद मूल्य मिल सके। गुजरात तम्बाकू बाजार समिति ने भी ऐसी मांग की है। इस पर फौरन ध्यान दिया जाये और स्थाई रूप से देशी तम्बाकू पकाने वाले किसानों को उचित दाम पर तम्बाकू खरीदने की व्यवस्था मिल सके। इसलिए तम्बाकू बोर्ड के कानून के अन्तर्गत इस तम्बाकू को भी लाया जाये। इस हेतु भारत सरकार ने जो निष्णात समिति बैठाई थी, उसने भी यही सिफारिश की है तो इस बारे में भी जल्दी से प्रावधान करके बीड़ी तम्बाकू पकाने वाले गुजरात के किसानों को मदद की जाये।

12.29 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

DEMANDS* FOR GRANTS, 1981-82—*Contd.*

(i) MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now we take up further discussion and voting on the Demands for Grants under the control of the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers. Shri Nawal Kishore Sharma.

श्री नवल किशोर शर्मा (दौसा): उपाध्यक्ष महोदय, मैं पैट्रोलियम, कैमिकल्स और फर्टिलाइजर्स के बजट अनुदानों की मांगों के समर्थन के लिये खड़ा हुआ हूं। यह मंत्रालय अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। यह तो सही है कि पिछले साल भर में इस मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों में कुछ अच्छे काम करने की कोशिश की है, लेकिन इससे हम संतोष नहीं कर सकते चेलेन्जेज बहुत हैं और उनका मुकाबला करने लिये लगातार परिश्रम और निगरानी रखने की जरूरत है।

यह मंत्रालय एक ओर तेल, क्रूड आयल, पैट्रोलियम प्रोडक्ट्स से संबंधित है, तो दूसरी ओर कृषि के क्षेत्र में अत्यावश्यक फर्टिलाइजर्स से भी संबंधित है और तीसरी ओर जिन्दगी के लिये जरूरी दवाओं से भी संबंधित है।

---

*Moved with the recommendations of the President.